CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper - 09

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)**

   परिश्रम को सफलता की कुंजी माना गया है। जीवन में सफलता पुरुषार्थ से ही प्राप्त होती है। कहा भी है- उद्योगी पुरुष सिंह को लक्ष्मी वरण करती है। जो भाग्यवादी हैं, उन्हें कुछ नहीं मिलता। वे हाथ-पर-हाथ धरे रह जाते हैं। अवसर उनके सामने से निकल जाता है। भाग्य कठिन परिश्रम का ही दूसरा नाम है। प्रकृति को ही देखिए सारे जड़-चेतन अपने कार्य में लगे रहते हैं। चींटी को भी पल-भर चैन नहीं। मधुमक्खी जाने कितनी लंबी यात्रा कर । बूंद-बूंद मधु जुटाती है। मुर्गे को सुबह बाँग लगानी ही है। फिर मनुष्य को तो बुद्धि मिली है, विवेक मिला है। वह निठल्ला बैठे तो सफलता की कामना करना व्यर्थ है। विश्व में जो देश आगे बढ़े हैं, उनकी सफलता का रहस्य कठिन परिश्रम ही है। जापान को दूसरे विश्वयुद्ध में मिट्टी में मिला दिया गया था। उसकी अर्थव्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई थी। दिन-रात जी-तोड़ श्रम करके वह पुनः विश्व का प्रमुख औद्योगिक देश बन गया। चीन को शोषण से मुक्ति भारत से देर में मिली। वह भी श्रम के बल पर आज भारत से आगे निकल गया है। जर्मनी ने भी युद्ध की विभीषिकाएँ झेली, पर श्रम के बल पर सँभल गया।

   परिश्रम का महत्त्व वे जानते हैं, जो स्वयं अपने बल पर आगे बढ़े। हैं। संसार के अनेक महापुरुष परिश्रम के प्रमाण हैं, कालिदास, तुलसी, टैगोर और गोर्की परिश्रम से ही अमर हुए। संसार के इतिहास में अनेक चमकते सितारे केवल परिश्रम के ही प्रमाण हैं। बड़े-बड़े धन-कुबेर निरंतर श्रम से ही असीम संपत्ति के स्वामी बने हैं। फोर्ड साधारण मैकेनिक था। धीरू भाई अंबानी शिक्षक थे। लगन और दृढ़ संकल्प परिश्रम को सार्थक बना देते हैं। गरीबी के साथ परिश्रम जुड़ जाए तो सफलता मिलती है, अमीरी के साथ श्रमहीनता या निठल्लापन आ जाए, तो असफलता मुंह बाए खड़ी रहती है। भारतीय

कृषक के परिश्रम का ही फल है कि देश में हरित क्रांति हुई। अमेरिका के सड़े गेहूं से पेट भरने वाला देश | आज गेहूं का निर्यात कर रहा है। कल-कारखाने दिन-रात उत्पादन कर रहे हैं। हमारे वस्त्र दुनिया के बाजारों में बिकते हैं। उन्नत औद्योगिक देश भी हमसे वैज्ञानिक उपकरण खरीद रहे हैं।

i. भाग्यवादी व्यक्ति को जीवन भर सफलता क्यों नहीं मिल पाती है? (2)
ii. प्रस्तुत गद्यांश में प्रकृति के किन उदाहरणों के आधार पर परिश्रम के महत्त्व को सिद्ध किया गया है? (2)
iii. प्रस्तुत गद्यांश में जापान और चीन जैसे देशो का वर्णन किस सन्दर्भ में किया गया है? तर्क सहित उत्तर दीजिए। (2)
iv. भारत ने किस प्रकार परिश्रम के बल पर विश्व में अपनी पहचान बनायी है? (2)
v. क्या परिश्रम को सार्थक बना देते हैं? (1)
vi. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षिक क्या होनी चाहिए? (1)

Section B

2. पद और पदबंध में क्या अंतर है? एक उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। **(1)**

3. नीचे लिखे वाक्यों में से **किन्हीं तीन** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर रूपांतरण कीजिए : **(1x3=3)**

i. ग्वालियर में हमारा एक मकान था, उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे। **(मिश्र वाक्य में)**
ii. तताँरा ने विवश होकर आग्रह किया। **(संयुक्त वाक्य)**
iii. आप जो कुछ कह रहे हैं वह बिलकुल सच है। **(सरल वाक्य)**
iv. प्रैक्टिकल आइडियलिस्टों के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं। **(मिश्र वाक्य में)**

4. I. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए- (2)
   i. पाप-पुण्य
   ii. नीलकंठ
   iii. तुलसीकृत
   II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम लिखिए- (2)
   i. बातों-बातों से जो लड़ाई हुई
   ii. राम और कृष्ण
   iii. पाँचों वटों का समाहार

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए- **(4)**

i. केवल मेज पर दो पुस्तकें हैं।
ii. तुम तुम्हारे घर चले जाओ।
iii. क्या आपने भोजन किए हैं।
iv. अध्यापक से हिंदी पढ़ाई है।

v. केवल यहाँ दो लोग रहते हैं।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए- **(4)**

i. उसका पहले से ही दिमाग खराब है, ऐसी बात करके आपने तो _____।
ii. भाई साहब आप तो _____ हैं, दिखाई ही नहीं पड़ते हैं।
iii. अपनी घर की मालकिन है, घर के अन्य लोगों को अपनी _____ है।
iv. सफलता पाने के लिए बहुत _____ पड़ते हैं।

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

i. 'बड़े भाई साहब' पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है? क्या आप उनके विचार से सहमत हैं?

ii. तताँरा ने अपने क्रोध के शमन के लिए क्या किया? तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर बताइए।

iii. आदर्शवादी और व्यवहारवादी से आप क्या समझते हैं? गाँधी जी के संदर्भ में इन्हें स्पष्ट कीजिए।

iv. 26 जनवरी, 1931 को ही स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने का कारण स्पष्ट कीजिए। 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए।

8. आप कैसे कह सकते हैं कि सुलेमान सहृदय बादशाह थे? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए। **(5)**

OR

वज़ीर अली का चरित्र-चित्रण कारतूस पाठ के आधार पर कीजिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

i. निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए- "पोथी पढि-पढि जुग मुवा, पंडित भया न कोई।"

ii. गोपियों द्वारा श्रीकृष्ण की बाँसुरी छिपाए जाने में क्या रहस्य हैं? 'दोहे' के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए।

iii. कंपनी द्वारा तोप रखवाने का उद्देश्य क्या था? तोप कविता के आधार पर बताइए।

iv. कवि अपना सहायक न मिलने पर प्रभु से क्या इच्छा व्यक्त करता है? 'आत्मत्राण' कविता के आधार पर बताइए।

10. मनुष्यता कविता में कवि ने मनुष्य के किस कृत्य को अनर्थ कहा है और क्यों? **(5)**

OR

कर चले हम फ़िदा कविता के आधार पर बताइए कि मरते समय सैनिक क्या-क्या इच्छाएँ प्रकट करता है?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **(6)**

    i. समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

    ii. सपनों के-से दिन पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर पीटी सर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Section D

12. **गया समय फिर हाथ नहीं आता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **(6)**

- समय ही जीवन है
- समय का सदुपयोग
- समय के दुरुपयोग से हानि

OR

ग्लोबल वार्मिंग विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- ग्लोबल वार्मिंग क्या है तथा कैसे होती है?
- दुष्परिणाम
- बचाव तथा उपसंहार

OR

कंप्यूटर : आज की ज़रूरत विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- कंप्यूटर का परिचय
- कंप्यूटर की उपयोगिता
- कंप्यूटर से होने वाली हानियाँ

13. आपके क्षेत्र का डाकिया पत्रों का वितरण बड़ी लापरवाही से करता है। इधर-उधर फेंककर चला जाता है। एक शिकायती पत्र मुख्य डाकपाल को लिखिए। **(5)**

OR

जिला उपायुक्त को पत्र लिखिए जिसमें विद्यार्थियों की पढ़ाई में होने वाली हानि के संदर्भ में शहर के सिनेमाघरों में प्रातःकालीन शो को बंद करने का निवेदन किया गया हो।

14. विद्यालय के हेड ब्याय द्वारा विद्यालय के सूचनापट्ट पर छात्रों को विद्यालय मेले में हिस्सा लेने हेतु 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए। **(5)**

OR

कैंटोन अपार्टमेन्ट के चीफ़ सेक्रेटरी की ओर से सोसाइटी में रहने वाले लोगों को जल संरक्षण हेतु सचेत करने के लिए 25-30 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

15. जलभराव की शिकायत लेकर गए नागरिक और नगरपालिका अध्यक्ष के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

"बच्चों को शिक्षा के प्रति कम होता रुझान' विषय पर दो अध्यापिकाओं का वार्तालाप संवाद के रूप में लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

16. जींस विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **(5)**

OR

एक प्रसिद्ध मोबाइल फ़ोन कंपनी की ओर से लगभग 25-50 शब्दों में विज्ञापन लेखन कीजिए।

CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper - 09

Answer

Section A

1. i. भाग्यवादी व्यक्ति को जीवन भर सफलता इसलिए नहीं मिल पाती है, क्योंकि भाग्यवादी प्रवृत्ति के व्यक्ति परिश्रम से कोसों दूर भागते हैं। भाग्यवादी व्यक्ति कर्म की अपेक्षा भाग्य को अधिक महत्त्व देते हैं, जिस कारण उन्हें कुछ हाथ नहीं लगता तथा वे हाथ पर हाथ धरे बैठे रह जाते हैं। अतः कहा जा सकता है कि सफलता परिश्रमी व्यक्ति के हाथ लगती है, जबकि भाग्यवादी व्यक्ति इससे वंचित रह जाता है।
   ii. प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने प्रकृति में उपस्थित जीवों के माध्यम से परिश्रम के महत्त्व को सिद्ध करते हुए बताया। है कि भाग्य कठिन परिश्रम का दूसरा नाम है। पृथ्वी पर उपस्थित सभी जड़-चेतन अपने कार्य में लीन रहते हैं। चींटी, मधुमक्खी, मुर्गे आदि सभी प्राणी जगत को ही ले लिया जाए, तो सभी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष परिश्रम में रत् । रहते हुए जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं।
   iii. प्रस्तुत गद्यांश में जापान और चीन जैसे देशों का वर्णन उनकी परिश्रम के आधार पर हुई उन्नति व प्रगति के संदर्भ में किया गया है। जापान दूसरे विश्वयुद्ध के पश्चात् आज । पुनः विश्व का औद्योगिक देश बन चुका है। इसी प्रकार चीन को आज़ादी भारत के पश्चात् मिली, परंतु श्रम के बल पर आज वह विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली देशों में से एक है।
   iv. भारतीय कृषक के परिश्रम के बल पर ही हमारे देश में । हरित क्रांति हुई। कुछ वर्ष पूर्व अमेरिका के सड़े-गले गेहूँ। से भरण-पोषण करने वाला देश आज गेहूं का निर्यात कर रहा है। यही नहीं बल्कि उन्नत औद्योगिक देश भी भारत से वैज्ञानिक उपकरण खरीद रहे हैं। इन सभी तथ्यों से कहा जाना चाहिए कि भारत परिश्रम के बल पर विश्व में अपनी पहचान बना रहा है।
   v. लगन और दृढ़ संकल्प परिश्रम को सार्थक बना देते हैं।
   vi. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक 'परिश्रम ही सफलता की कुंजी है' होना चाहिए।

Section B

2. वाक्य में प्रयुक्त किसी स्वतंत्र तथा सार्थक ध्वनि समूह के व्यावहारिक एवं अनुशासित रूप को **पद** तथा वाक्य में व्याकरणिक कार्य करने वाले एक या इससे अधिक पदों के समूह को पदबंध कहते हैं।
   उदाहरण-
   i. पिताजी ने मेरे लिए पुस्तकें भेजी है; उपरोक्त वाक्य में पिताजी पद है।
   ii. **गाँव से पिताजी** ने मेरे लिए पुस्तके भेजी हैं। यह वाक्य में रेखांकित वाक्यांश पदबंध है।
3. i. ग्वालियर में जो हमारा एक मकान था, उसके दालान में दो रोशनदान थे। / ग्वालियर में हमारा एक मकान था जिसके दालान में दो रोशनदान |
   ii. तताँरा विवश हुआ और उसने आग्रह किया।

iii. आपका कहा बिलकुल सच है।

iv. जो प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट होते हैं उनके जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं।

4. I. i. पाप-पुण्य = पाप और पुण्य (द्वंद्व समास)

ii. नीलकंठ = नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव (बहुब्रीहि समास), नीला है जो कंठ (कर्मधारय समास)

iii. तुलसीकृत = तुलसी द्वारा कृत / तुलसी से कृत (तृतीया तत्पुरुष समास/ करण तत्पुरुष)

II. i. बातों-बातों से जो लड़ाई हुई = बातों-बात (बहुब्रीहि समास)

ii. राम और कृष्ण = राम-कृष्ण (द्वंद्व समास)

iii. पाँचों वटों का समाहार = पाँच वटों का समूह - पंचवटी (द्विगु समास)

5. i. मेज़ पर केवल दो पुस्तकें हैं।

ii. तुम अपने घर चले जाओ।

iii. क्या आपने भोजन किया है?

iv. अध्यापक ने हिंदी पढ़ाई है।

v. यहाँ केवल दो लोग रहते हैं।

6. i. आग में घी डाल दिया है।

ii. ईद का चाँद हो गए

iii. अंगुलियों पर नचाती

iv. पापड़ बेलने या लोहे के चने चबाने

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

i. प्रस्तुत पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के जिन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है, उनमें सर्वाधिक प्रमुख है-रटकर पढ़ाई करना। इसका साक्षात् प्रमाण है बड़े भाई, जो दिन-रात पुस्तक के एक-एक शब्द को रटते रहते हैं और उनका अर्थ जानने की कोशिश नहीं करते। इसके अतिरिक्त खेलकूद को व्यर्थ समझना भी सही नहीं है। मैं इस विचार से सहमत नहीं हैं। विषय को समझने के स्थान पर केवल रटने पर ही ज़ोर देना व्यर्थ है। किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी आवश्यक है।

ii. वामीरो की माँ और गाँववालों द्वारा अपमानित होने के बाद तताँरा को बहुत क्रोध आ रहा था। एक तरफ परंपरा पर उसे क्षोभ आ रहा था, तो दूसरी तरफ अपनी असह्यता पर खीझ । उसे समझ में नहीं आया कि वह क्या करे? क्रोध में उसने अपनी तलवार निकालकर धरती में पूरी शक्ति से घोंप दी और पूरी शक्ति से उसे खींचने लगा। जिससे जमीन दो टुकड़ों में बट रही थी। इससे वह पसीने से लथपथ होकर निढाल हो गया और गिर पड़ा।

iii. आदर्शवादी उन्हें कहा जाता है जो जीवन में आदर्शों को प्रमुखता देते हैं। सत्य, अहिंसा, न्याय, मानवता, सभी के साथ समानता आदि मुख्य आदर्श हैं। आदर्शवादी इन्हीं आदर्शों को अपनाते हैं। आदर्शवादी लोग समाज को एक

उचित मार्ग पर ले जाते हैं। व्यवहारवादी की दूसरे शब्दों में अवसरवादी कहना भी गलत नहीं। ये सदा जीवन में उन्नति, लाभ को प्रमुखता देते हैं। कई बार ये सामाजिक स्तर को गिरा भी देते हैं। व्यवहारवादी समाज की और दूसरों की महत्वता को नहीं समझते हैं, ये सिर्फ अपने जीवन के बारे में ही सोचते हैं। महात्मा गाँधी हमेशा आदर्शवादी कहलाए। वे किसी भी मुश्किल में क्यों न रहे हों किंतु उन्होंने अपने आदर्श नहीं छोड़े। उन्होंने सदा अपने व्यवहार को श्रेष्ठ व मार्यादित बनाने का प्रयास किया। तभी तो समाज में आज उनका नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है।

iv. कांग्रेस ने अपने लाहौर अधिवेशन में यह तय किया था कि अब पूर्ण स्वतंत्रता से कम कुछ नहीं माँगा जाएगा और इसके लिए एक व्यापक आंदोलन की शुरुआत की जाएगी। अंग्रेज सरकार पर दबाव बनाने के लिए यह निश्चित किया गया कि 26 जनवरी 1930 का दिन आजादी के दिन के रूप में मनाया जाएगा। यही कारण है कि 26 जनवरी, 1930 को पूरे देश में भारत को पूर्ण स्वतंत्रता दिलाने के लिए हर प्रकार के त्याग और बलिदान करने की प्रतिज्ञा की गई। उसके बाद हर वर्ष, 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

8. सुलेमान ईसा से 1025 वर्ष पूर्व एक बहुत ही दयालु और नेकदिल बादशाह थे। उनके बारे में कहा जाता है कि वे केवल मनुष्य ही नहीं बल्कि सारे पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील और रक्षात्मक थे। एक बार की घटना है कि बादशाह अपनी फौज और लश्कर के साथ जाते वक्त रास्ते में चींटियाँ घोड़ों के टापों की आवाज सुनकर भय के कारण भागने लगीं तो बादशाह ने उन्हे कहा कि उनसे डरने की आवश्यकता नहीं है वे किसी का अहित नहीं कर सकते। खुदा ने उन्हे सभी जीवों कि रक्षा के लिए भेजा है।इस तथ्य से यह साबित होता है कि सुलेमान मनुष्यों के ही नहीं सारे जीवों के बादशाह थे।

OR

वज़ीर अली के चरित्र की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

i. **स्वाभिमानी-** वज़ीर अली अत्यंत स्वाभिमानी है। जब उसे अवध के नबाव के पद से हटा दिया गया तो कंपनी के गवर्नर ने उसे कलकत्ता बुलाया लेकिन वह वहाँ नहीं गया। वह कंपनी के वकील की बातें सुनकर चुप नहीं रहता और उसका कत्ल कर देता है।
ii. **साहसी और हिम्मती-** उसमें अपार हिम्मत थी। उसे मालूम था कि कंपनी सरकार उसकी जान के पीछे पड़ी है लेकिन उसका अफ़गानिस्तान व नेपाल से सहायता फिर से अवध की नवावी प्राप्त करने का प्रयास सचमुच उसके हिम्मती होने को प्रमाणित करता है।
iii. **जाँबाज़-** वज़ीर अली जाँबाज़ सिपाही था। वह मौत से नहीं डरता। वह खतरों से खेलता है वह कंपनी के वकील का कत्ल कर देता है। अंग्रेज़ी खेमे में अकेले जाकर कर्नल से कारतूस लेने में सफलता प्राप्त करना उसके जाँबाज़ होने की निशानी है।
iv. **नीतिकुशल-** वज़ीर अली नीति कुशल था। वह अंग्रेज़ों की फ़ौज को चकमा देने में कामयाब रहता है। वह अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिन्दुस्तान पर हमला करने की दावत देता है। वह किसी तरह नेपाल पहुँचना चाहता है। वह अफ़गानी हमले तक अपनी ताकत बढ़ाना चाहता है।

v. **देशभक्त-** वज़ीर अली देशभक्त है। वह हिंदुस्तान से अग्रेज़ों को भगाने के प्रयास में जुट जाता है | उसे अंग्रेजो की गुलामी स्वीकार नहीं थी।

vi. **निडर**- वज़ीर अली निडरता से अंग्रेजी शासन के नियमों के प्रति विद्रोह भाव प्रकट करता है। वह चंद सिपाहियों के साथ भी जंगलों में अपनी रणनीति तैयार करता है।

vii. **कर्तव्यनिष्ठ**- देश के प्रति अपने कर्तव्य को निभाने में वह कोई कसर नहीं छोड़ता है। वह चाहता तो अपने चाचाजान शहादत अली की तरह ऐशो-आराम की जिंदगी जी सकता था।।

viii. **वाक्पटु**- कर्नल से कारतूस लेने के समय उसके बातचीत का तरीका तथा बाद में सपाट शब्दों में अपनाा परिचय दे देना, उसकी वाक्पटुता के गुण को भली-भाँति दर्शाते हैं।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   i. कबीरदास कहते हैं कि इस संसार में लोग धार्मिक पुस्तकें पढ़-पढ़कर मर गए, किंतु कोई भी ज्ञानी नहीं बन सका अर्थात् ईश्वर की प्राप्ति नहीं कर पाया। परंतु जिसने प्रेम के ढाई अक्षर सीख लिए हैं वही सही अर्थों में ज्ञानी कहलाता है। प्रेम से ही ईश्वर की प्राप्ति संभव है।

   ii. गोपियाँ श्रीकृष्ण के साथ वृंदावन में 'रासलीला' के दौरान बतरस (बातों) का आनंद ऊठाना चहाती हैं। कृष्ण से बात करने के लिए वह उसे उकसाना चाहती हैं इसलिए गोपियां कृष्ण की बांसुरी छिपा देती है। जब कृष्ण अपनी बांसुरी के बारे में पूछता है तब गोपियां शपथ लेती हुई बाँसुरी छिपाने से इनकार करती है, किंतु उनकी भौहों की कुटिल मुसकान से कृष्ण को पता चल जाता है कि बाँसुरी को गोपिकायों ने ही छिपा दिया है। कृष्णा जब बांसुरी मांगता है तो गोपियां झूठी कसम भी खाती हैं। गोपियाँ कृष्ण के साथ 'बतरस' (बातें करना) के आनंद को लंबे समय तक प्राप्त करना चाहती हैं और इसी कारण वे कृष्ण की बाँसुरी को छिपा देती हैं।

   iii. ईस्ट इंडिया कंपनी के माध्यम से अंग्रेज़ भारत पर शासन करते हुए अत्याचार कर रहे थे। भारतीयों द्वारा जब अपनी आजादी पाने के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध क्रांति का रास्ता अपनाया गया तो उन्होंने कंपनी बाग में तोप रखकर असंख्य भारतीयों को उसी तोप से उड़ा दिया।

   iv. कवि ने सहायक न मिलने पर यह इच्छा व्यक्त की है कि हे प्रभु! मेरा बल और पौरुष न डगमगाए। मैं अपने आत्मविश्वास को बनाए रखूँ। कवि जानता है कि आत्मविश्वासी व्यक्ति बड़ी-से-बड़ी चुनौती का सामना भी सरलता से कर सकता है।

10. 'मनुष्यता' कविता में कवि ने मनुष्य को यह बताने का प्रयास किया है कि सभी मनुष्य आपस में भाई-भाई हैं। इस सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि सबको जन्म देने वाला ईश्वर एक है। पुराणों में भी इस बात के प्रमाण हैं कि सृष्टि का रचनाकार वही एक है। वह सारे जगत का अजन्मा पिता है। फिर मनुष्य-मनुष्य में थोड़ा-बहुत जो भेद है। वह उसके अपने कर्मों के कारण है परंतु एक ही ईश्वर या आत्मा का अंश उनमें समाए होने के कारण सभी एक हैं। इतना जानने के बाद भी कोई मनुष्य दूसरे मनुष्य की अर्थात् अपने भाई की मदद न करे और उसकी व्यथा दूर न करे तो वह सबसे बड़े अनर्थ हैं। इसका कारण यह है कि ऐसा न करके मनुष्य अपनी मनुष्यता को कलंकित करता है।

OR

मरते समय सैनिक निम्नलिखित इच्छाएँ प्रकट करता है-

- उसके जाने के बाद उसके साथी/देशवासी देश की रक्षा का भार सँभालें।
- देश का सम्मान किसी भी परिस्थिति में कम न हो।
- देश-प्रेमियों को इस देश की धरती को ही अपनी दुलहन समझना चाहिए।
- उसके साथियों को सिर पर कफन बाँधकर देश की रक्षा में लग जाना चाहिए।
- देश वासियों को राम और लक्ष्मण की भाँति धरती माता की पवित्रता की रक्षा करनी होगी।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

    i. समाज में रिश्तों के अहम् भूमिका है। रिश्तों से ही व्यक्ति समाज में मन सम्मान पाता है। रिश्तों के कारण ही समाज में व्यक्ति -विशेष की भूमिका निर्धारित होती है। अपने पराये की पहचान रिश्तों के कारण ही है। एक परिवार के सदस्य एक दूसरे के सुख दुःख में काम आते हैं तो इसमें खून के रिश्तों की अहमियत है। पारिवारिक सदस्य अगर किसी वजह से एक दूसरे से अलग भी हो जाएँ तो भी उनमे आपसी प्रेम का भाव बना रहता है। कहा जा सकता है की समाज में रिश्तों की भूमिका महत्वपूर्ण है । माँ बच्चों का, पति पत्नी का रिश्ता अनोखा होता है। अगर यह रिश्ता नहीं है तो हम अकेले हो जाते हैं ।

    ii. पाठ के अनुसार पी0 टी0 सर प्रीतमचंद की चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित है:-

        i. वे ठिगने शरीर और गठीले बदन वाले इंसान थे। वे पी टी के शिक्षक थे और इसके अलावा खाली कक्षाओं में पढ़ाते थे और बच्चों को स्काउट परेड कराते थे ।
        ii. वे बच्चों के प्रति कठोर और अनुशासन प्रिय थे। बच्चों को अनुशासित करने के लिए उन्हें पूरी सख्ती और कठोरता से सजा देते थे ।
        iii. सख्त और कठोर होने के बावजूद वे परेड के वक्त बच्चों को अच्छा करने पर शाबाशी भी देते थे। वे ऊपर से कठोर थे, पर अंदर से भावुक थे ।

Section D

12. महापुरुषों ने कहा है, "समय बहुत मूल्यवान है। एक बार निकल जाने पर यह कभी वापस नहीं आता।" वास्तव में, समय ही जीवन है। इसकी गति को रोकना असंभव है। संसार में अनेक उदाहरण हैं, जो समय की महत्ता को प्रमाणित करते हैं। जिसने समय के मूल्य को नहीं पहचाना, वह हमेशा पछताया है। इसके महत्त्व को पहचानकर इसका सदुपयोग करने वाले व्यक्तियों ने अपने जीवन में लगातार सफलता प्राप्त की। जो व्यक्ति समय मिलने पर भी अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाते, वे जीवन में असफल रहते हैं।
    जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई नहीं करते, वे फेल होने पर पछताते हैं। तब यह उक्ति कि 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' चरितार्थ होती है। विद्यार्थी को समय का मूल्य पहचानते हुए हर पल का सदुपयोग करना चाहिए, क्योंकि जो

समय को नष्ट करता है, एक दिन समय उसे नष्ट कर देता है। महान् पुरुषों ने समय का सदुपयोग किया और अपने जीवन में सफल हुए। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। अतः हमें समय की महत्ता को समझते हुए इसका सदुपयोग करना चाहिए।

OR

वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त है। 'ग्लोबल वार्मिंग' शब्द का अर्थ है'संपूर्ण पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होना।' हमारी पृथ्वी पर वायुमंडल की एक परत है, जो विभिन्न गैसों से मिलकर बनी है, जिसे ओज़ोन परत कहते हैं। ये ओज़ोन परत सूर्य से आने वाली पराबैंगनी तथा अन्य हानिकारक किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है। मानवीय क्रियाओं द्वारा ओज़ोन परत में छिद्र हो जाने के कारण सूर्य की हानिकारक किरणें पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश कर रही हैं।
परिणामस्वरूप पृथ्वी के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कई समुद्री तथा पृथ्वी पर रहने वाले जीव-जंतुओं की प्रजातियों के अस्तित्व पर खतरा छाया हुआ है, साथ ही मनुष्यों को भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय नहीं किए, तो हमारी पृथ्वी जीवन के योग्य नहीं रह जाएगी। इसे रोकने के लिए हमें प्रदूषण को कम करना होगा। साथ ही कार्बन डाइऑक्साइड सहित अन्य गैसों के उत्सर्जन में कमी तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा देना होगा, जिससे प्रकृति में पर्यावरण संबंधी संतुलन बना रहे।

OR

कंप्यूटर वास्तव में, विज्ञान द्वारा विकसित एक ऐसा यंत्र है, जो कुछ ही क्षणों में लाखों-करोड़ों गणनाएँ कर सकता है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को बहुत सरल बना दिया है। कंप्यूटर द्वारा रेलवे टिकटों की बुकिंग बहुत आसान और समय बचाने वाली हो गई है। आज किसी भी बीमारी की जाँच करने, स्वास्थ्य का पूरा परीक्षण करने, रक्त-चाप एवं हृदय गति आदि मापने में इसका भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र में प्रयुक्त उपकरणों में कंप्यूटर का बेहतर प्रयोग उन्हें और भी उपयोगी बना रहा है। आज हवाई यात्रा में सुरक्षा का मामला हो या यान उड़ाने की प्रक्रिया, कंप्यूटर के कारण सभी जटिल कार्य सरल एवं सुगम हो गए हैं। संगीत हो या फ़िल्म, कंप्यूटर की मदद से इनकी गुणवत्ता को सुधारने में बहुत मदद मिली है। कंप्यूटर से कुछ हानियाँ भी हैं। कंप्यूटर पर आश्रित होकर मनुष्य आलसी प्रवृत्ति का बनता जा रहा है। कंप्यूटर के कारण बच्चे आजकल घर के बाहर खेलों में रुचि नहीं लेते और इस पर गेम खेलते रहते हैं। इस कारण उनका शारीरिक विकास ठीक से नहीं हो पाता। कंप्यूटर आज जीवन की आवश्यकता बन गया है। अतः इसका सही ढंग से प्रयोग कर हम अपने जीवन में प्रगति कर सकते हैं|

13. प्रति,
मुख्य डाकपाल,
मुख्य डाकघर,
दिल्ली।
विषय- पश्चिम विहार-IV क्षेत्र वितरण में हो रही लापरवाही की शिकायत।

महोदय,

नम्र निवेदन यह है कि पश्चिम विहार क्षेत्र का डाकिया श्रवण कुमार डाक वितरण में बहुत लापरवाही करता है। वह नाम और पता देखे बिना पत्र दरवाजे पर फेंक कर चला जाता है। परिणामस्वरूप, दूसरों के पत्र हमारे यहाँ आते हैं और हमारे पत्र दूसरे लोग देकर जाते हैं।

यह डाकिया डाक देने में देरी भी करता है। बिजली व टेलीफोन के बिल नियत तारीख निकल जाने के बाद मिलते हैं। उसकी लापरवाही का खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है तथा मानसिक परेशानी व आर्थिक नुकसान उठाने पड़ते हैं।

यह डाकिया कीमती तोहफों को गायब भी कर देता है। आपसे निवेदन है कि आप इस कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करें।

भवदीय

हस्ताक्षर . . . . . .

(डॉ. मोहित राजपूत)

206, पश्चिम विहार-V

नई, दिल्ली।

OR

प्रति,

उपायुक्त,

गुरुग्राम

विषय- विद्यार्थियों के हित शहर के सिनेमाघरों में प्रातःकालीन शो बंद करने हेतु।

महोदय,

मैं आपका ध्यान इस नगर के सिनमाघरों में चलने वाले प्रातःकालीन शो, जो नौ बजे प्रारंभ हो जाता है, की ओर दिलाना चाहता हूँ। इस शो में फ़िल्म देखने वाले दर्शकों में लगभग 80 प्रतिशत स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी होते हैं। वे अपनी कक्षाएँ छोड़कर फ़िल्म देखने जाते हैं। फ़िल्म देखकर स्कूल अथवा कॉलेज के बंद होने के समय वे अपने-अपने घर व गाँव चले जाते हैं। इस प्रकार उनके माता-पिता को उनके द्वारा कक्षाओं से अनुपस्थित रहकर फ़िल्म देखने की बुरी लत का पता भी नहीं चलता। विद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा उनके विरुद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही भी विशेष प्रभावकाल नहीं हो पाई।

विद्यार्थियों की यह अवस्था अपरिपक्व होती है। वे अपने हित-अहित को नहीं सोच पाते। अतः आपसे निवेदन है कि आप यहाँ सिनेमाघरों में होने वाले प्रातःकालीन शो पर प्रतिबंध लगाने का कष्ट करें।

भवदीय,

हस्ताक्षर . . . .

(मोहित महेश्वरी)

अध्यापक

हिंदी विभाग,

कृत सीनियर सेकेंडरी स्कूल,
गुरुग्राम

14.

सूचना

विद्यालय के प्रांगण में 25 अप्रैल, 2019 को वार्षिक मेला आयोजित किया जा रहा है। जो छात्र अपनी कक्षा के साथ मिलकर स्टॉल लगाने के इच्छुक हों, वे सूचित करने वाले से संपर्क कर सकते हैं। विद्यालय सचिव द्वारा यह घोषणा की जाती है कि सर्वोत्तम तीन स्टॉलों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।
इच्छुक छात्र अपने स्टॉल से संबंधित जानकारी सहित सीधा संपर्क कर सकते हैं।
गोविन्द सिंह
हेड ब्वाय

OR

सूचना

30 मार्च, 2019

हमारी सोसाइटी में जल की समस्या निरंतर बढ़ती जा रही है। कुछ घरों में पानी व्यर्थ बहता रहता है कुछ लोगों को पर्याप्त मात्रा में तो उपलब्ध ही नहीं होता। इस अनियमितता को देखते हुए जल संरक्षण करना आवश्यक हो गया है। अतः विनम्र निवेदन है कि जल का आवश्यक कार्य हेतु प्रयोग करने के बाद नल बंद कर दें। अनावश्यक रूप से पानी के दुरुपयोग को रोकने के यथासंभव प्रयास करने। इस समस्या से निजात पाने में मदद करें।
विनोद साह
चीफ़ सेक्रेटरी

15. **नागरिक -** सर, हमारे क्षेत्र में 'जलभराव की समस्या बढ़ती जा रही है। अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जिनमें बारिश का पानी भर जाता है और सड़कों पर चलना मुश्किल हो जाता है।
नगरपालिका अध्यक्ष - आपने इस समस्या की शिकायत दर्ज नहीं करवाई।
नागरिक - शिकायत को की गई थी, परंतु अभी कोई कार्यवाही नहीं हुई।
नगरपालिका अध्यक्ष - अच्छा! आप लिखित रूप में एक शिकायती पत्र तैयार करके उसे यहाँ जमा कर दीजिए।
नागरिक - ठीक है सर ! कृपया आप इस संबंध में शीघ्र ही उचित कार्यवाही कीजिए ताकि हमें इस समस्या से छुटकारा मिले।
नगरपालिका अध्यक्ष - मैं, आज ही नगर निगम के कर्मचारियों को भेज कर इस समस्या का समाधान कराता हैं।
नागरिक - धन्यवाद, हमारे क्षेत्र के सभी क्षेत्रवासी आपके आभारी रहेंगे।

OR

शिवानी - आकृति मैडम! आपको नहीं लगता कि बच्चों में शिक्षा के प्रति रुझान सामान्य रूप से कम होता जा रहा है।

आकृति - हाँ, आपकी बात काफ़ी हद तक सही है। इसका मुख्य कारण बच्चों की टेलीविज़न, मोबाइल एवं कंप्यूटर में बढ़ती दिलचस्पी है।

शिवानी - मुझे भी लगता है कि इन साधनों का उपयोग बच्चे केवल | मनोरंजन के लिए करते हैं।

आकृति - हाँ, बच्चों को इन साधनों की इतनी अधिक लत लग गई है, जिससे वे पढ़ाई की और ध्यान नहीं देते।

शिवानी - यह बहुत ही चिंता का विषय है। हमें इसका कोई न कोई हल अवश्य निकालना होगा।

आकृति - बिलकुल सही कहा आपने।

16.

खुल गया! खुल गया! खुल गया!

"रखे चुस्त-दुरुस्त

बढ़ाए हर एक की शान

रंग है इसके मस्त"

आपका अपना

पीयूष जींस

दो जींस के साथ एक आकर्षण घड़ी बिलकुल मुफ़्त

OR

टच स्क्रीन मोबाइल

स्टार-PWN

ड्यूअल सिम 5जी इंटरनेट के साथ

मात्र **5,999/-** सीमित ऑफर

विशेषताएँ:-

- एंड्रॉयडमीनू
- 5जी इंटरनेट डबल सिम
- 12 महीने की वारंटी
- फुल एच डी कैमरा
- 4k वीडियो प्लेयर
- 128 इंटरनल मेमोरी
- लंबा बैटरी बैकअप

संपर्क करें : एच-75 वसंत विहार, नई दिल्ली, फोन नं. 011-432569XX